

रेवा-मर्कटः को बेटों का ख्याल
हर दम आया है
इसीलिये मेरी मर्कट ने मुझे
चरणों में बुलाया है

जग के काज दिखे कुद् रेंसे
मन शरमाया है-----

इसीलिये-----

नहीं-नहीं मैया याद रखूंगा
ऊँचे-नीचे बोल-सबके सहूँगा
सबने सब कुद् कह डाला ये-
तेरी ही माया है

इसीलिये-----

दया करो मेरी मर्जी
क्षमा करो मेरी मर्जी
झूठी माया ने मेरे मन को
खूब लुभाया है

इसी लिये-----

तज "श्री बाबा श्री" आये
दो चरणों के द्वाये
तेरे चरणों से मेरी रेखा
सब कुछ पाया है

इसी लिये-----